सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-364
28/08/2016

मुख्यमंत्री ने किया भागलपुर में बाढ़ राहत शिविरों का निरीक्षण एवं बाढ़ राहत कार्यों की समीक्षा बैठक

पटना, 28 अगस्त 2016 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज भागलपुर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों एवं बाढ़ पीड़ितों के लिये बनाये गये विभिन्न बाढ़ राहत शिविरों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने सबौर हाई स्कूल, सबौर ब्लॉक के पास खानकित्ता पंचायत सरकार भवन, टी0एन0बी0 कॉलेजिएट, इवनिंग कॉलेज नरगाह एवं महाशय देउड़ी में चलाये जा रहे बाढ़ राहत शिविरों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के क्रम में राहत शिविरों में लोगों के लिये बनाये जा रहे भोजन, उन्हें दी जा रही स्वास्थ्य एवं अन्य सुविधायें, शिविर में बच्चों को दी जा रही सुविधाओं तथा पशुओं के लिये की गयी व्यवस्था के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा उपस्थित अधिकारियों को बाढ़ राहत कार्य में तेजी लाने के लिये आवश्यक निर्देश दिये। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने बाढ़ राहत शिविर के निरीक्षण के दौरान बाढ़ पीड़ितों से भी मुलाकात की, उनकी समस्याओं को सुना तथा उसके निदान के लिये आवश्यक निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने सबौर हाई स्कूल में बने बाढ़ राहत शिविर के निरीक्षण के दौरान सभी बाढ़ पीड़ितों को स्टील की थाली में खाना खिलाने का निर्देश दिया। बाढ़ राहत शिविर में आये हुये लोगों के लिये थाली, ग्लास, कटोरा आदि की व्यवस्था की जाय। उन्होंने बाढ़ राहत शिविर में सभी संसाधन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने बाढ़ राहत शिविर में धूप में पशुओं को देखकर अधिकारियों को पशुओं के लिये शेड बनाने का निर्देश दिया। साथ ही पशुओं के लिये सूखा चारा उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने बाढ़ राहत शिविर में लोगों के लिये भोजन बनाने के कार्य में बाढ़ पीड़ितों में से ही कुछ लोगों को काम देने तथा उन्हें निर्धारित मजदूरी देने को भी कहा। सबौर ब्लॉक में बने बाढ़ राहत शिविर के निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने ऑगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों को पोशाक देने का निर्देश दिया। साथ ही बाढ़ राहत शिविर में आये लोगों को न्यूनतम वस्त्र देने का निर्देश दिया। महिलाओं को वस्त्र के साथ सेनेटरी नैपकिन भी दिया जाय। मुख्यमंत्री ने बच्चों की पढ़ाई की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बाढ़ राहत शिविर में आये किसी बाढ़ पीड़ित को खाना, कपड़ा, बर्तन आदि का अभाव नहीं हो। मुख्यमंत्री ने बाढ़ राहत कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री के निरीक्षण के दौरान जल संसाधन मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक श्री पी0के0 ठाकुर, प्रधान सचिव आपदा प्रबंधन श्री ब्यासजी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, सचिव स्वास्थ्य श्री जीतेन्द्र श्रीवास्तव, आयुक्त भागलपुर प्रमण्डल श्री अजय कुमार चौधरी, पुलिस महानिरीक्षक श्री सुशील खोपड़े, जिलाधिकारी भागलपुर श्री आदेश तितरमरे, वरीय पुलिस अधीक्षक भागलपुर श्री मनोज कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

निरीक्षण के उपरान्त मुख्यमंत्री ने भागलपुर अतिथिगृह में बाढ़ राहत कार्यों की समीक्षात्मक बैठक की। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने उपस्थित अधिकारियों को बाढ़ राहत कार्यों में तेजी लाने से संबंधित आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मवेशियों एवं मनुष्य

को कैम्प में अलग–अलग क्षेत्रों में रखा जाय। कैम्प में टेंट की समुचित व्यवस्था हो ताकि लोगों को गर्मी न लगे। पंखा एवं जेनरेटर की भी व्यवस्था की जाय। जो लोग कैम्प में रह रहे हैं, उन्हें खाना बनाने एवं कैम्प की व्यवस्था में लगाया जाय। हर कैम्प में पब्लिक एड्रेस सिस्टम की व्यवस्था हो ताकि लेागों को लाइन लगवाकर पंजिकरण किया जा सके। मवेशियों की भी पंजिकरण की व्यवस्था की जाय।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि कैम्प में केवल खाना खाने के लिए आने वालों को कैम्प में रहने वालों के साथ मिक्स नहीं किया जाय। वस्त्र एवं बर्तन आदि केवल कैम्प में रहने वालों को ही दिया जाय। राहत शिविर में किसी बाहरी व्यक्ति अथवा संस्था को दान कार्य हेतु इजाजत नही दिया जाय एवं राहत शिविर में रहने वाले को सभी प्रकार की समूचित सुविधा दी जाय। कैम्प में तला–भूना खाना नहीं दिया जाय केवल सूपाच्य भोजन दिया जाय ताकि बीमारी फैलने की आशंका न हो। कैम्प में पशुचारे की अच्छी व्यवस्था हो। प्रति पशु कुट्टी, भूसा एवं चौकर हिसाब से दिया जाय। पुआल नहीं दिया जाय, पशुओं को भी गर्मी एवं बीमारी से बचाने के लिए उपाय किये जाये। शिविर में पशु चिकित्सक की नियुक्ति की जाय। जानवरों के ईलाज के लिए भी राहत शिविर में काउंटर लगाये जायें, जिसमें दवाओं की व्यवस्था हो।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि शिविरों में साफ–सफाई की अच्छी व्यवस्था हो, ब्लीचिंग पाउडर का पूरा छिड़काव होना चाहिए तथा हेलोजन टेबलेट का भी वितरण किया जाय। पानी घटने के बाद महामारी फैलने की आशंका होती है। अतः सभी ओर ब्लीचिंग पाउडर का भरपूर छिड़काव किया जाय, इस कार्य में शहरी क्षेत्र में वार्ड पार्षदों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायती राज संस्था के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाय। पानी घटने के बाद फसल क्षति एवं गृह क्षति का आंकलन कराया जाय।

समीक्षा बैठक में जल संसाधन मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक श्री पी0के0 ठाकुर, प्रधान सचिव आपदा प्रबंधन श्री ब्यासजी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, सचिव स्वास्थ्य श्री जीतेन्द्र श्रीवास्तव, आयुक्त भागलपुर प्रमण्डल श्री अजय कुमार चौधरी, पुलिस महानिरीक्षक श्री सुशील खोपड़े, जिलाधिकारी भागलपुर श्री आदेश तितरमरे, वरीय पुलिस अधीक्षक भागलपुर श्री मनोज कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

******